

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव प्रबंधन एवं जैव विविधता संरक्षण)
एवं मुख्य वन्यजीव वार्डन, छत्तीसगढ़

नार्थ ब्लॉक, सेक्टर 19, अरण्य भवन, अटल नगर, जिला-रायपुर

ईमेल- cwlwcg@gmail.com

Ph. 0771-2512880, 2512853

क्रमांक/व.प्रा./वन अपराध/ 2072

रायपुर दिनांक 24 /03/2026

प्रति,

1. समस्त मुख्य वन संरक्षक (क्षेत्रीय)
2. मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीवन) और क्षेत्रीय निदेशक
उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व, रायपुर
अचानकमार टायगर रिजर्व, बिलासपुर
इन्द्रावती टायगर रिजर्व, जगदलपुर
गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टायगर रिजर्व, अंबिकापुर
3. मुख्य वन संरक्षक, प्रोजेक्ट एलीफेंट, सरगुजा, अंबिकापुर

विषय :- वन्यप्राणी बाहुल्य क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रवेश की रोकथाम के संबंध में।

संदर्भ :- इस संबंध में भारत सरकार, राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा तैयार मानक संचालन प्रक्रिया (Standard Operating Procedure) (छायाप्रति संलग्न)

--00--

विषयान्तर्गत आपको ज्ञात है कि वन क्षेत्रों के आसपास रहवासी क्षेत्रों के आवारा पशु सहित आवारा कुत्तों का भी वन क्षेत्रों में कभी-कभी प्रवेश हो सकता है, जिससे वन्यप्राणियों में बीमारी फैलने तथा उनके शिकार/मृत्यु की स्थिति निर्मित हो सकती है। इसी तरह की एक घटना दिनांक 20 एवं 21 मार्च, 2026 के दरमियानी रात सरगुजा वनमण्डल के अंबिकापुर स्थित संजय वाटिका में घटित हुई है, जहाँ आवारा कुत्तों के पार्क में प्रवेश करने तथा शाकाहारी वन्यजीव के बाड़े में घुसने के कारण 15 वन्यप्राणियों की मौत हो गयी। घटना की विस्तृत जांच इस कार्यालय द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा की जा रही है।

पूर्व में भी एन.टी.सी.ए. द्वारा आवारा कुत्तों के वन क्षेत्रों विशेष तौर से टायगर रिजर्व में घुसने की स्थिति में किये जाने वाले कार्यों संबंधी एस.ओ.पी. से अवगत कराया गया है, जिसका कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित करें। सुविधा की दृष्टिकोण से पुनः इस संबंध में आपके द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के संबंध में निम्नानुसार निर्देशित किया जाता है :-

1. टायगर रिजर्व क्षेत्र में आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने एवं प्रवेश की स्थिति में इससे निपटने के संबंध में राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी एस.ओ.पी. की प्रति संलग्न है, जिसका अक्षरशः पालन किया जाना सुनिश्चित करें।
2. राज्य के टायगर रिजर्व के समस्त उप निदेशक एवं क्षेत्र संचालक टायगर रिजर्व के क्षेत्रीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस एस.ओ.पी. से अवगत कराते हुये आगामी दो सप्ताह के अंदर प्रशिक्षण करावें तथा एस.ओ.पी. का पालन सुनिश्चित करायें। यही कार्यवाही राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारण्यों के लिए भी की जावे।
3. मेरे द्वारा गत दिनों बारनवापारा अभ्यारण्य के प्रवास पर यह देखा गया कि गांव में रहने वाले कुत्ते के मालिकों को वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार एवं अधीक्षक बारनवापारा अभ्यारण्य द्वारा एक विशेष रंग का पट्टा पहनाने हेतु निर्देशित किया गया है, जिसके पालन में ग्रामवासियों के द्वारा कार्यवाही की जा रही है तथा ग्रामवासियों को सचेत

भी किया गया है कि इन कुत्तों का वन क्षेत्रों में प्रवेश होता है, तो नियमानुसार कार्यवाही की जा सकती है। उक्त कार्यवाही के अच्छे परिणाम दृष्टिगोचर हो रहे हैं, अतः राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारण्यों के समीप के ग्राम जहाँ कुत्तों का प्रवेश वन्यप्राणी बाहुल्य क्षेत्रों में हो सकता है, के संबंध में भी ग्रामवासियों को सचेत करें कि उनके पालतू कुत्ते वन क्षेत्रों में प्रवेश न करें। इस बाबत समस्त आवश्यक सावधानियों उनके द्वारा रखी जावे। यह कार्यवाही अन्य वन्यप्राणी बाहुल्य क्षेत्रीय वन क्षेत्रों के समीप के ग्रामों में भी की जावे।

4. आवारा कुत्तों के वन्यप्राणी बाहुल्य क्षेत्रों में प्रवेश करने की स्थिति में उन्हें पकड़ने हेतु एनीमल वेलफेयर बोर्ड इंडिया द्वारा प्रकाशित पुस्तिका "Revised Module for Street Dog Population Management, Rabies Eradication and Reducing man-Dog conflict" (http://awbi.in/awbi-pdf/revised_abc-module.pdf) के प्रावधानों का पालन किया जाये तथा इन्हें कैप्चर करने हेतु एस.ओ.पी. के बिन्दु क्रमांक F. Transportation of captured dogs में दिये गये प्रावधानों का पालन किया जावे।

राज्य के वन क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रवेश तथा उनके द्वारा दौड़ाए जाने, आक्रमण किये जाने से वन्यप्राणी विशेष रूप से चीतल की मृत्यु की घटनाएँ पूर्व में भी घटित हुई है, अतः निर्देशित किया जाता है कि इन घटनाओं पर सख्ती से नियंत्रण हेतु वन क्षेत्रों के समीप के ग्रामों हेतु समयबद्ध कार्यक्रम ग्रामवार तैयार करें तथा इस आशय के जागरूकता पोस्टर, बैनर एवं बैठकों आदि के माध्यम से ग्रामवासियों में समझाइश दी जावे। टायगर रिजर्व सहित अन्य वन्यप्राणी बाहुल्य क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रवेश की स्थिति में कड़ाई से नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी एस.ओ.पी. का पालन किया जावे।

संलग्न :- एस.ओ.पी. की प्रति।

(अरुण कुमार पाण्डेय भा.व.से.)
प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव)
सह मुख्य वन्यजीव वार्डन, छत्तीसगढ़

पृ.क्रमांक/व.प्रा./वन अपराध/ 2013
प्रतिलिपि :-

रायपुर दिनांक 24/03/2026

1. अपर मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर।
2. प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, छत्तीसगढ़।
की ओर सूचनार्थ सम्प्रेषित।
3. संचालक, गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, बैकुण्ठपुर कोरिया/कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, जगदलपुर अचानकमार अमरकंटक बायोस्फियर रिजर्व, बिलासपुर
4. उप निदेशक, उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व, रायपुर/अचानकमार टाईगर रिजर्व, बिलासपुर/इन्द्रावती टाईगर रिजर्व, जगदलपुर/गुरु घासीदास तमोर पिंगला टायगर रिजर्व, कोरिया/एलीफेंट रिजर्व, सरगुजा
5. समस्त वनमण्डलाधिकारी, छत्तीसगढ़।
को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

संलग्न :- एस.ओ.पी. की प्रति।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव)
सह मुख्य वन्यजीव वार्डन, छत्तीसगढ़

STANDARD
OPERATING
PROCEDURE



TO DEAL WITH
STRAY / FERAL DOGS
IN TIGER RESERVES

NATIONAL TIGER CONSERVATION AUTHORITY



Camera trap images of stray dogs chasing sambar inside tiger reserve



STANDARD OPERATING PROCEDURE
TO DEAL WITH STRAY / FERAL
DOGS (*Canis familiaris*)
in
TIGER RESERVES



NATIONAL TIGER CONSERVATION AUTHORITY
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST & CLIMATE CHANGE
GOVERNMENT OF INDIA

1. Title: Standard Operating Procedure to deal with emergency arising due to stray and feral dogs in Tiger Reserves

2. Subject: Dealing with stray and feral dogs in Tiger Reserve.

3. Reference: Advisories of the National Tiger Conservation Authority /Project Tiger on the subject.

4. Purpose: To ensure that stray/feral dogs are handled in the most appropriate manner to avoid disease spread and physical injury to tigers and other wildlife, besides mortality to young and juvenile wildlife.

5. Short Summary: This Standard Operating Procedure (SOP) provides the steps which are required to be taken at the field level for dealing with stray and feral dogs.

6. Scope: This SOP applies to all tiger reserves. For the purposes of classification of dogs, stray and feral dogs shall be treated as equivalent to Street dogs as classified in the Animal

Birth Control (Dogs) Rules, 2001.

7. Responsibilities:

a. The Field Director would be responsible in the case of a tiger reserve and shall be the Local Authority vis-a-vis Animal Birth Control (Dogs) Rules, 2001, hereinafter referred to as the Local Authority.

b. The overall responsibility at the State level would rest with the Chief Wildlife Warden of the concerned State.

8. Suggested field actions to deal with stray/Feral dogs;

a. Committee Constitution for technical guidance and implementation of interventions especially planning and management of dog control programme, as under:-

i. A veterinarian from the Veterinary and Animal Husbandry Department

ii. A co-opted veterinarian, if required, from non governmental agencies

- iii. Local NGO representative
 - iv. Representative of Animal Welfare organization, if any, operating in the said area
 - v. A representative of the district Society for Prevention of Cruelty to animals (SPCA), if present.
 - vi. A representative of the local Panchayat
 - vii. Deputy Director.DFO/DCF of tiger reserve- Chairman.
- b. Delineate areas of feral dog movement and areas susceptible to ingress of stray dogs and map them in a GIS domain.
 - c. Monitor these areas by visual assessment for dog population in coordination with the local Animal Husbandry Department, aforesaid committee and community stewards who should be incentivized from available schemes.

d. Identifying disease

- i. Document prevalent canine diseases with special reference to zoonotic, notifiable and emerging diseases with the local Animal Husbandry Department
- ii. Identify the wild animals in your area at risk which may acquire these diseases.
- iii. Once these diseases have been identified, collate management strategies for these diseases and prepare a ready reckoner in coordination with the local Animal Husbandry Department.
- iv. A budgetary requirement to manage these diseases should also be prepared for soliciting funding under different Government schemes.

e. Physical capture of feral and stray dogs:

Capture of stray and feral dogs should be strictly in accordance with the “Revised Module for Street Dog Population Management, Rabies

Eradication and Reducing Man-Dog conflict” published by the Animal Welfare Board of India, Government of India (http://awbi.in/awbi-pdf/revised_abc_module.pdf).

The said document lists out the following methods;

- i. By Hand Technique
- ii. Sack and Loop Technique
- iii. Dog catching hoops with nets (Butterfly net)
- iv. Balinese Pole net technique.

f. Transportation of captured dogs:

The captured dogs should also be transported in a manner that they do not fight with one another. The vehicle/cage design needs to be such that street dogs can be placed inside without allowing dogs already within, to escape. The vehicle/cage must be cleaned, watered and disinfected before and after use. In case the stray/feral dog menace is severe/frequent, a dedicated transport vehicle may be fabricated as suggested in the aforesaid module.

g. Animal Birth Control (ABC) programme:

The captured dogs should be dewormed on the day they are caught and subsequently subjected to animal birth control measures as per protocol and processes outlined by the Animal Welfare Board of India in their module referred above.

h. Vaccination against Canine Distemper and Rabies should be carried out on the day of release after sterilization. The release of dogs during early morning hours is recommended.

✓ i. Feral/stray dogs captured from within tiger reserves should under no circumstance be released back and a suitable alternate site be selected for their rehabilitation

3. Immunization buffers:

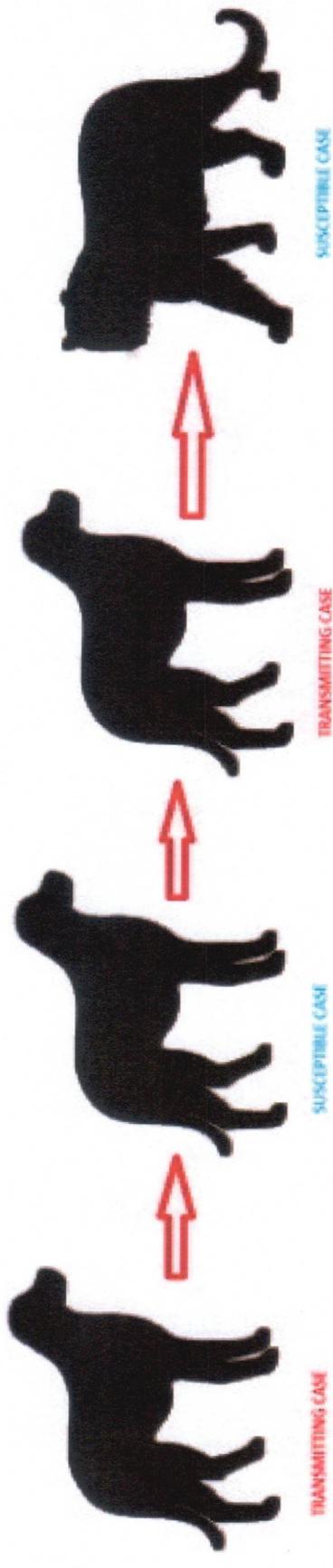
Immunization buffers should be created in buffer areas of tiger reserves keeping in mind the principles of herd immunity. The latter states that in contagious diseases like Canine Distemper/Rabies,

the chain of infection shall be disrupted when large numbers in a population are immune (vaccinated) or less susceptible to a disease due to vaccination.

The rationale behind this is that exposure of unvaccinated/susceptible animals (tigers and other wildlife) to infected animals (dogs) shall be substantially reduced.

Hence, greater the proportion of individuals (dogs in this case) which are vaccinated/resistant/immune to the disease, lesser are the chances of transmission. In essence vaccinated animals act as as a firewall between tigers and stray/feral dogs.

4. Using retrospective data available with the local Animal Husbandry Department, prevalent canine diseases with special reference to zoonotic, notifiable and emerging diseases should be documented and a suitable vaccination programme, concomitantly with ABC measures, be designed for the tiger reserve to effect herd immunity.



5. Dogs which have been sterilized and vaccinated need to be identified through means as described in AWBI's module referred earlier as repeat vaccinations shall be required every year for a sustained immune response and keep up herd immunity levels.

6. The local authority in consultation with the committee as described above may engage competent agencies recognized by the AWBI to carry out ABC and immunization programs, if sufficient capacity is not available.

7. Definitions:

a. Zoonotic disease: These are infectious diseases that are naturally transmitted from vertebrate animals to humans and vice versa.

b. Notifiable disease: A notifiable disease is any disease that is required by law to be reported to government authorities.

c. Emerging disease: A new occurrence in an animal of a disease, infection or infestation, causing a significant impact on animal or public health resulting from:

i. a change of a known pathogenic agent or its spread to a new geographic area or species; or

ii. a previously unrecognised pathogenic agent or disease diagnosed for the first time.

8. Limitation:

This Standard Operating Procedure is required to be implemented in tiger reserves which have documented records of stray/feral dog menace either in terms of physical impact or disease spread/prevalence in wildlife.

9. References:

a. Revised Module for Street Dog Population Management, Rabies Eradication and Reducing Man-Dog conflict, Animal Welfare Board of India (<http://awbi.in/awbi->

pdf/revised_abc_module.pdf)

b. Animal Birth Control (Dogs) Rules, 2001
([http://awbi.in/awbi-pdf/ABC%20\(Dogs\)%20Rules,%202001%20English.pdf](http://awbi.in/awbi-pdf/ABC%20(Dogs)%20Rules,%202001%20English.pdf))

c. Rev. Sci. Tech. Off. Int. Epiz., 2015, 34 (1), 41-44
(<http://boutique.oie.int/extrait/04moutou4144ang.pdf>)

d. Rev. sci. tech. Off. int. Epiz., 2014, 33 (2), 569-581
(<https://www.oie.int/doc/ged/D14089.PDF>)

e. F. No. 15-38/2010-NTCA dated June 14, 2013
(<https://ntca.gov.in/assets/uploads/guidelines/CVD.pdf>)

f. F. No 1-5/93-PT dated January 13, 2014
(<https://ntca.gov.in/assets/uploads/guidelines/THREAT%20TO%20TIGERS.jpg>)

g. F. No. 15-38/2010-NTCA dated October 20, 2015
(https://ntca.gov.in/assets/uploads/guidelines/Special_drive_CDV.pdf)



Camera trap images of stray dogs chasing sambar inside tiger reserve



NATIONAL TIGER CONSERVATION AUTHORITY

B-1 Wing, 7th Floor, Pt. Deendayal Antyodaya

Bhawan,

CGO Complex,

New Delhi-110 003

Tel: +91 11 24367837, 38, 39

<https://ntca.gov.in>

